श्री शिव प्रतिपादन स्तोत्रं

श्री शिव प्रतिपादन स्तोत्रं

देवा ऊचुः |
नमस्ते देवदेवेश नमस्ते करुणालय |
नमस्ते सर्वजंतूनां भुक्तिमुक्तिफलप्रद || 1 ||

नमस्ते सर्वलोकानां सृष्टिस्थित्यंतकारण |
नमस्ते भवभीतानां भवभीतिविमर्दन || 2 ||

नमस्ते वेदवेदांतैरर्चनीय द्विजोत्तमैः |
नमस्ते शूलहस्ताय नमस्ते वह्निपाणये || 3 ||

नमस्ते विश्वनाथाय नमस्ते विश्वयोनये |
नमस्ते नीलकंठाय नमस्ते कृत्तिवाससे || 4 ||

नमस्ते सोमरूपाय नमस्ते सूर्यरूपिणे |
नमस्ते वह्निरूपाय नमस्ते जलरूपिणे || 5 ||

नमस्ते भूमिरूपाय नमस्ते वायुमूर्तये |
नमस्ते व्योमरूपाय नमस्ते ह्यात्मरूपिणे || 6 ||

नमस्ते सत्यरूपय नमस्तेऽसत्यरूपिणे |
नमस्ते बोधरूपाय नमस्तेऽबोधरूपिणे || 7 ||

नमस्ते सुखरूपय नमस्तेऽसुखरूपिणे |
नमस्ते पूर्णरूपाय नमस्तेऽपूर्णरूपिणे || 8 ||

नमस्ते ब्रह्मरूपाय नमस्तेऽब्रह्मरूपिणे |
नमस्ते जीवरूपाय नमस्तेऽजीवरूपिणे || 9 ||

नमस्ते व्यक्तरूपाय नमस्तेऽव्यक्तरूपिणे |
नमस्ते शब्दरूपाय नमस्तेऽशब्दरूपिणे || 10 ||

नमस्ते स्पर्शरूपाय नमस्तेऽस्पर्शरूपिणे |
नमस्ते रूपरूपाय नमस्तेऽरूपरूपिणे || 11 ||

नमस्ते रसरूपाय नमस्तेऽरसरूपिणे |
नमस्ते गंधरूपाय नमस्तेऽगंधरूपिणे || 12 ||

नमस्ते देहरूपाय नमस्तेऽदेहरूपिणे |
नमस्ते प्राणरूपाय नमस्तेऽप्राणरूपिणे || 13 ||

नमस्ते श्रोत्ररूपाय नमस्तेऽश्रोत्ररूपिणे |
नमस्ते त्वक्स्वरूपाय नमस्तेऽत्वक्स्वरूपिणे || 14 ||

नमस्ते दृष्टिरूपाय नमस्तेऽदृष्टिरूपिणे |
नमस्ते रसनारूप नमस्तेऽरसनात्मने || 15 ||

नमस्ते घ्राणरूपाय नमस्तेऽघ्राणरूपिणे |
नमस्ते पादरूपाय नमस्तेऽपादरूपिणे || 16 ||

नमस्ते पाणिरूपाय नमस्तेऽपाणिरूपिणे |
नमस्ते वाक्स्वरूपाय नमस्तेऽवाक्स्वरूपिणे || 17 ||

नमस्ते लिंगरूपाय नमस्तेऽलिंगरूपिणे |
नमस्ते पायुरूपाय नमस्तेऽपायुरूपिणे || 18 ||

नमस्ते चित्तरूपाय नमस्तेऽचित्तरूपिणे |
नमस्ते मातृरूपाय नमस्तेऽमातृरूपिणे || 19 ||

नमस्ते मानरूपाय नमस्तेऽमानरूपिणे |
नमस्ते मेयरूपाय नमस्तेऽमेयरूपिणे || 20 ||

नमस्ते मितिरूपाय नमस्तेऽमितिरूपिणे |
नमस्ते सर्वरूपाय नमस्तेऽसर्वरूपिणे || 21 ||

रक्ष रक्ष महादेव क्षमस्व करुणालय |
भक्तचित्तसमासीन ब्रह्मविष्णुशिवात्मक || 22 ||

इति श्रीस्कांदपुराणे सूतसंहितायां शिवमाहात्म्यखंडे तृतीयोऽध्याये नंदीश्वरविष्णुसंवादे ईश्वरप्रतिपादन स्तोत्रं |